सभापति महोदय, कश्मीरियों का अपना एक कल्चरल हैरिटेज है, उसको हमने कायम रखने का प्रयास नहीं किया, जिसके कारण आज कश्मीरियों में भारत के ऊपर अविश्वास की सी भावना बढ़ती जा रही है। उनका इस बारे में एक अलग दृष्टिकोण है। हर क्षेत्र की अपनी भाषा, संस्कृति होती है, जिसकी रक्षा होनी चाहिए। बंगाल की अपनी भाषा और संस्कृति है। मेवाड़ की अपनी संस्कृति है। गुजरात की अपनी संस्कृति और भाषा है। इसी प्रकार तमिलनाडु और अन्य प्रदेशों का अपना कल्चरल हैरिटेज है, जिसके ऊपर वहां के लोग गौरव महसूस करते हैं, अपने को गौरवान्वित समझते हैं, तब हमारी अंगुली केवल कश्मीर के ऊपर क्यों आती है?

4.00 म० प०

अब वे यह मांग करते हैं कि हमें यह अधिकार होना चाहिए कि हम अपने कल्चरल हैरीटेज में ऊपर किसी प्रकार का बाधा नहीं डालने दें। सभापति महोदय, कांग्रेस के शासन में, जब केन्द्र में कांग्रेस की सरकार थी, कश्मीर के और सवालात के ऊपर, कश्मीर की समस्याओं को हल करने के लिए कोई ठोस आधार जनता के सामने नहीं रखा गया। मैं आज गृह मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार उन्होंने कश्मीर में कश्मीरियों का विश्वास प्राप्त किया है, उनका विश्वास जागृत किया है, मैं सदन के सामने यह बात रखना चाहूंगा कि यह पहला अवसर है कि कश्मीर में एक हजार नौजवानों ने बी० एस० एफ० ज्वाइन करने के लिए ऐप्लीकेशन दी है। क्या कांग्रेस के शासन में बी० एस० एफ० या सी० आर० पी० एफ० के अन्दर कभी कश्मीरियों को सम्मिलित करने की बात सोची थी? आप हमेशा उनको शक की निगाह से देखते थे। आज पहला अवसर है कि कश्मीर का एक हजार नौजवान बी० एस० एफ० ज्वाइन करने के लिए ऐप्लीकेशन दे रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कश्मीर के जो नौजवान गुमराह हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है उस ओर सरकार को अधिक ध्यान देना चाहिए। वहां पर रेपिड इंडस्ट्रियलाईजेशन हो और हर प्रकार से कश्मीरियों को विश्वास में लेकर, विश्वास जागृति करके हम उस बात की ओर पहल करें कि कश्मीरी अपने आपको भारत का अभिन्न अंग समझें।

4.02 म० प०

(उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

आपने मुझे समय दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

— — —

$4.02\frac{1}{2}$ म० प०

प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर कुपवाड़ा सेक्टर के मछिल सब-सेक्टर में भारतीय चौकियों पर पाकिस्तानी सेना द्वारा गोलाबारी

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय, जम्मू तथा कश्मीर में नियन्त्रण रेखा पर कुपवाड़ा सेक्टर उन क्षेत्रों में से है जहां हाल के महीनों में पाकिस्तान से प्रशिक्षित आतंकवादी घुसपैठ करने की लगातार कोशिश करते रहे हैं।

[श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह]

कुपवाड़ा सेक्टर का मछाल सब-सेक्टर, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के "केल" गांव के सामने पड़ता है। हाल ही में हमारी सेना ने इस क्षेत्र में कुछ लोगों को घुसपैठ करते हुए देखा था। 12 अगस्त, 1990 को हमारी सेना ने उपयुक्त कार्रवाई करके घुसपैठियों को खदेड़ बाहर किया। पाकिस्तानी सेना ने हमारी इस कार्रवाई में मोर्टार और तोपों जैसे भारी हथियारों का इस्तेमाल करते हुए, हस्तक्षेप करने की कोशिश की। लेकिन हमारी सेना इस क्षेत्र से घुसपैठियों को पूरी तरह से खदेड़ बाहर करने सफल हुई।

पाकिस्तानी समाचार माध्यमों ने इस घटना को इस रूप में बताया कि हमारी सेनाओं ने उस क्षेत्र में पाकिस्तान की चौकियों पर हमला किया। हमने इसका खंडन किया।

कुछ दिन शान्त रहने के बाद 20 अगस्त से पाकिस्तानी फौज ने मछाल सब-सेक्टर में हमारी कई चौकियों पर गोले बरसाने शुरू किए। इस क्षेत्र में हमारी सेना ने भी जवाबी कार्रवाई में उन पर गोलाबारी की। गोलाबारी दोनों ओर से जारी है। लेकिन यह सब इसी सब-सेक्टर तक सीमित है।

वर्तमान व्यवस्था के अन्तर्गत दोनों देशों के मिलिट्री आपरेशन के डायरेक्टर-जनरल एक-दूसरे से सम्पर्क किए हुए हैं। इसमें अनावश्यक रूप से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि हम आशा करते हैं कि इस प्रकार की स्थानीय झड़पों पर नियन्त्रण कर लिया जाएगा। हमारी सेना किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

हमें पूरी आशा है कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी और पाकिस्तान की सरकार शिमला समझौते का पूरा पालन करने की आवश्यकता को समझेगी।

यह उस बातचीत के अनुरूप ही होगा, जो हमने पाकिस्तान की सरकार के साथ हाल ही में शुरू की है।

———

4.06 म० प०

जम्मू-कश्मीर राज्य के संबंध में राष्ट्रपति की उद्घोषणा का अनुमोदन करने के बारे में सांविधिक संकल्प

तथा

सशस्त्र बल (जम्मू-कश्मीर) विशेष शक्तियां अध्यादेश, 1990 का निरनुमोदन करने के बारे में सांविधिक संकल्प

और

सशस्त्र बल (जम्मू-कश्मीर) विशेष शक्तियां विधेयक – जारी

उपाध्यक्ष महोदय : अब, डा० तम्बि दुरै।